मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2665
दिनांक 01-11-2025
दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हिन्दी (प्रज्ञा)
अनिवार्य संस्कृत

तृतीय:पाठ:- महादानम्

महादानम्

सुधा पूछती है दीपक से,
रक्तदान नेत्रदान क्यों करते हैं लोग।
बहुत कठिनता से बनता रक्त,
फिर रक्तदान क्यों करते हैं लोग।।

रक्तदान करने से शरीर में,
अति शीघ्र रक्त बनता है शरीर में।
स्वस्थ लोग करते दान रक्त का,
महादान कर करें भलाई सबका।।

दूसरी शंका उठती सुधा के मन में,
क्या नेत्र भी तुरन्त निकालते शरीर से।
नहीं नेत्रदान इच्छुक व्यक्ति,
पंजीकरण कराते हैं, शिविर में।।

मरणोपरान्त ही नेत्र लिए जाते हैं,
अन्धों के जीवन में नई रोशनी दे जाते हैं।
रक्तदान-नेत्रदान है सबसे बड़ी पूजा,
जीवन के बाद भी हित का काम नहीं दूजा।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2666
दिनांक 03.11. 2025
दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 01

कक्षा- 05 विषय- संस्कृत-सुबोध

स्वदेश

हम हैं भारत के वासी,
गीत स्वदेश के गाते हैं।
करते हैं स्वदेश वन्दना,
नित-नित शीश झुकाते हैं।।

उत्तर मे पर्वत राज हिमालय,
भारत का मुकुट सजाता है।
दक्षिण में हिन्द महासागर,
निरन्तर लहराता है।।

गंगा की पावन जलधारा,
मध्य भाग में बहती है।
भिन्न है वेशभूषा यहाँ सबकी,
पर मन में एकता रहती है।।

तीन रंग से सजा तिरंगा,
जब मिलकर हम फहराते हैं।
भारत है वीरों की भूमि,
यह सब को समझाते हैं।।

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

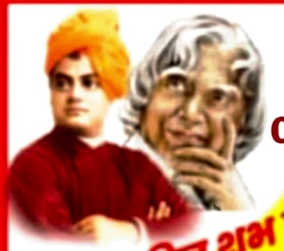

दिनांक 04.11.2025

काव्यांजलि

2667

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07, विषय- गृह विज्ञान, पाठ- 05, (भाग-1)

जल प्रदूषण

शुद्ध वायु और शुद्ध आवास,
स्वच्छता होती बहुत खास।
कूड़ा-करकट नही फैलाना,
जहाँ पर करते हो निवास।।

हम सब लोग गन्दगी करते,
नदी, तालाब प्रदूषित करते।
जल है जीवन का आधार,
प्रदूषण के कई हैं प्रकार।।

नदी, तालाब में करते स्नान,
गन्दगी करते नही देते ध्यान।
अपने पशुओं को वहीं नहलाते,
स्वच्छ जल गन्दा कर आते।।

गन्दे जल को जब हम पीते,
हैजा, पेचिश आदि रोग होते।
दूषित जल को कभी न पीना,
अगर तुम्हें स्वस्थ है रहना।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 05 नवम्बर 2025

काव्यांजलि

2668

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- हमारा भूमण्डल, पाठ- 11

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन

टैगा प्रदेश- [वनस्पति]

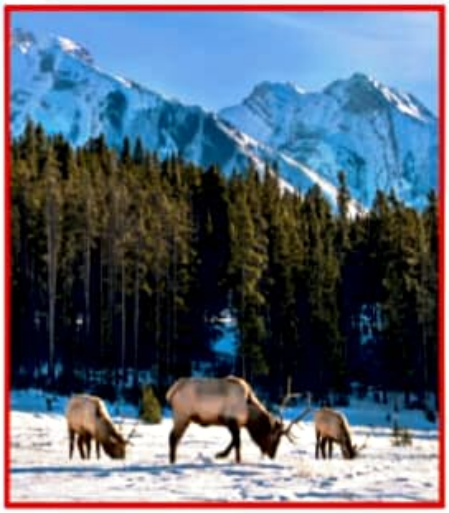

इस प्रदेश में साल भर वर्षा,
जल और हिम रूप में होती है।
पाये जाते यहाँ शंक्वाकार वन,
जो साइबेरिया में टैगा कहलाती है।।

नुकीली होती हैं वृक्ष की पत्तियाँ,
वृक्ष लम्बे, सीधे, पतले होते हैं।
लकड़ियाँ होती हैं इनकी मुलायम,
सदैव हरे-भरे ये वृक्ष रहते हैं।।

उत्तरी गोलार्द्ध में मिलते ये वन,
इन्हें बोरियल कहा जाता है।
वृक्ष चीड़, सेडार, स्फूस, फर,
वालसम, रेडवुड पाया जाता है।।

कृषि हेतु अनुपजाऊ है मिट्टी,
जल रूप में वर्षा कम होती है।
बारीक नहीं पथरीली है मिट्टी,
जो धूसर या पॉडजाल कहलाती है।।

रचना:
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
क्षेत्र- जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2669
दिनांक 06/11/2025
दिन गुरुवार
आपका दिन शुभ हो।
कक्षा- 1
पाठ-14 विषय- हिन्दी (सारंगी 1)

बरखा और मेघा

एक बार की बात,
कहीं पर थीं दो भली सहेलियाँ।
मेघा मुर्गी, बतख थी बरखा,
करती थीं अठखेलियाँ।।

दोनों के बच्चे थे प्यारे,
गिनती में वो तीन-तीन।
मिल-जुल कर चले मेला देखने,
होकर अपनी खुशी में लीन।।

नदी देख मेघा फिर बोली,
पार नदी हम कैसे करेंगे?
हम तो जानें न तैरना,
हम सब तो फिर डूब मरेंगे।।

बरखा की पीठ पर मेघा बैठी,
बच्चों की पीठ पर बच्चे।
नदी पार करने की युक्ति,
बरखा के हुये चर्चे।।

रचना:-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

दिनांक 07 नवम्बर 2025

काव्यांजलि 2670

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4, विषय- पर्यावरण, पाठ- 8, भाग- 2

पौधे के भाग एवं उनके कार्य

सूर्य का प्रकाश, जल, क्लोरोफिल,
और कार्बन डाई ऑक्साइड से।
भोजन बनाने की इस क्रिया को,
प्रकाश संश्लेषण हैं कहते।।

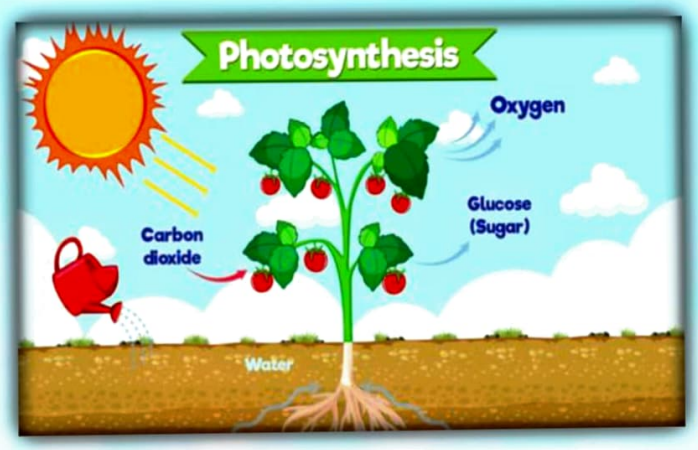

पर्णरन्ध्रों की सहायता द्वारा,
सभी पेड़-पौधे साँस हैं लेते।
साँस लेने की इस प्रक्रिया को,
बच्चों श्वसन क्रिया हैं कहते।।

जड़ द्वारा अवशोषित जल,
वाष्प के रूप में निकलता।
जल का बूँदों में बदल जाना,
वाष्पोत्सर्जन कहलाता।।

पेड़ हमें देते ऑक्सीजन,
पर्यावरण को शुद्ध रखते।
तमाम वस्तुएँ देकर भी,
बदले में कुछ नहीं लेते।।

रचना
मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 08-11-2025

काव्यांजलि

2671

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- वाटिका, पाठ- 5

लाल बहादुर शास्त्री

परिचय और कार्य

दो अक्टूबर खास दिवस है,
दो विभूति जन्मी इस दिन।
राष्ट्रपिता गाँधी और दूजे,
शास्त्री भी जन्मे इस दिन।।

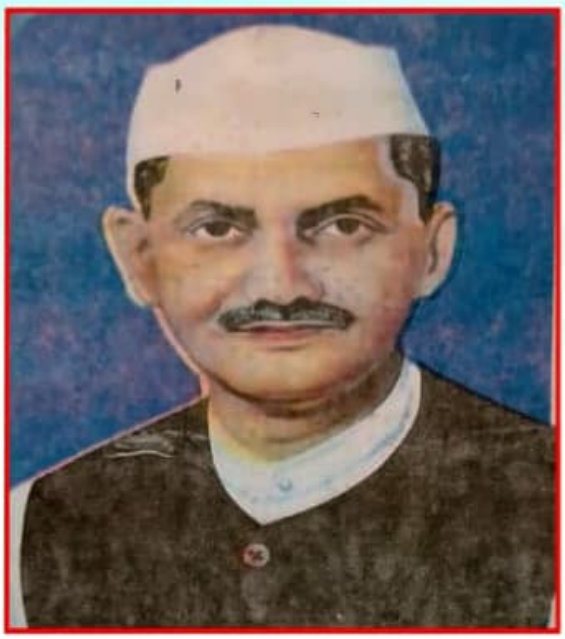

दो अक्टूबर उन्नीस सौ चार को,
शास्त्री जी का जन्म रहा।
माता रामदुलारी इनकी,
शारदा प्रसाद पितु नाम रहा।।

डेढ़ वर्ष में पिता पधारे,
स्वर्गलोक अति कष्ट सहे।
कठिनाई, अभाव के रहते,
जीवन-पथ पर बढ़े रहे।।

बने रेलमन्त्री स्वतन्त्र भारत,
के, कुछ दिन के फिर बाद।
निधन हुआ नेहरु का, फिर ये,
प्रधानमन्त्री बने उनके बाद।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2672
दिनांक 10.11. 2025
दिन सोमवार
पाठ- 11
भाग- 01

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 04 विषय- पर्यावरण

जल प्रदूषण

स्वच्छ जल में जब गन्दगी या,
अपशिष्ट पदार्थ मिल जाते हैं।
ऐसे गन्दे जल को पीने से,
हम बीमार हो जाते हैं।।

प्रदूषित जल का स्वास्थ्य पर,
बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।
हो जाती है कई बीमारियाँ,
पर्यावरण भी प्रदूषित होता है।।

प्रदूषित जल में रहने वाले,
जीव-जन्तु मर जाते हैं।
प्रदूषित जल पेड़-पौधे को,
भारी नुकसान पहुँचाते हैं।।

प्रदूषित जल स्वास्थ्य के लिए,
अत्यन्त हानिकारक होता है।
टाइफाइड, हैजा और पेचिश,
का कारण प्रदूषित जल होता है।।

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाय

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2673
दिनांक 11.11.2025
दिन मंगलवार

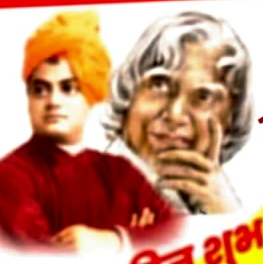

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07, विषय- गृह विज्ञान, पाठ- 05, (भाग- 2)

जल प्रदूषण

जल संरक्षण बहुत जरूरी,
तब होगी जल की कमी पूरी।
स्वच्छ जल सबको बचाना हैं,
लोगों को जागरूक बनाना है।।

नल का जब करना इस्तेमाल,
उसकी टोटी बन्द करो तत्काल।
बेवजह कभी पानी न बहाना,
बाल्टी, मग प्रयोग में लाना।।

पानी को हमेशा ढककर रखना,
मृत पशुओं को मिट्टी से ढकना।
कपड़े, बर्तन अगर धोने जाओ,
तो गन्दगी नदी में नही बहाओ।।

22 मार्च को सारे मिलकर,
"विश्व जल दिवस" मानते हैं।
चार्ट, पोस्टर नाटक करके,
जल संरक्षण समझाते हैं।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 12 नवम्बर 2025

काव्यांजलि

2674

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 11

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (टैगा प्रदेश जीव-जन्तु)

टैगा प्रदेश के जीव-जन्तु,
मोटी खाल, घने बाल वाले होते हैं।
शरीर बनावट होती है कठोर,
ठण्ड सहन करने वाले होते हैं।।

रेण्डियर, कैरीबू, बीवर, हिरन,
बारहसिंगा पाये जाते हैं।
रीछ, लोमड़ी और भेड़िया,
समूर धारी जीव पाये जाते हैं।।

मौसमी परिवर्तन में जीव यहाँ,
मौसमी स्थानांतरण कर जाते हैं।
साँप, छिपकली और मेंढक,
जाड़े में भूमि नीचे छिप जाते हैं।।

कुछ जीव करते आहार संग्रह,
कुछ उत्तरी मैदानों में चले जाते हैं।
जैसे बीवर-साइबेरिया पक्षी,
गर्मी में वापस ये चले आते हैं।।

रचना:-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2675
दिनांक 13/11/2025
दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1 पाठ-12 विषय- हिन्दी (सारंगी 1)

फूली रोटी

जमाल की माँ रसोई में,
बना रही थी रोटी।
मित्र जय बर्तन से खेले,
जमाल देखे रोटी।।

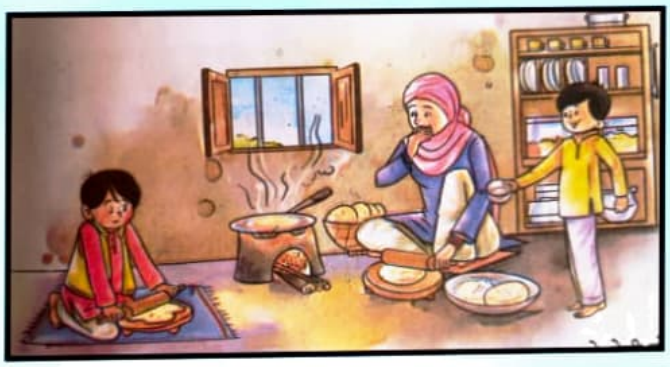

जमाल भी चाहे बनाना,
फूली-फूली रोटी।
माँ ने उसको लोई दी,
जमाल ने बेली रोटी।।

रोटी गोल बने नहीं,
बने टेढ़ी-मेढ़ी रोटी।
जय ने झट से दी कटोरी,
गोल करने को रोटी।।

कटोरी से हुई रोटी गोल,
माँ ने सेंकी रोटी।
जय, जमाल खाने लगे,
खुशी से फूली रोटी।।

रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 14 नवम्बर 2025

काव्यांजलि

2676

दिन शुक्रवार

पाठ- 1

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2 विषय- अंग्रेजी

Fun With Friends

Words (Part- 1)

Bat है बल्ला,
खेलेंगे हम।
Cat है बिल्ली,
Hat पहनेंगे हम।।

Rat है चूहा,
बिल में घुसा।
Hen है मुर्गी,
Chick चूजा।।

Cut है काटना,
कुछ भी काटो।
Mat है चटाई,
Bin में कूड़ा ढ़ालो।।

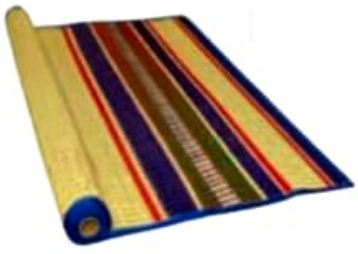

Bag है बस्ता,
स्कूल लेकर जाते।
Dog है कुत्ता,
Bell घण्टी, जिसे बजाते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2677
दिनांक 15-11-2025
दिन शनिवार

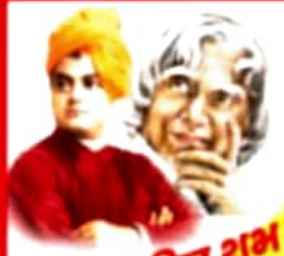

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- वाटिका, अपने आप- 1

महर्षि वाल्मीकि

परिचय और कार्य

नवम् पुत्र कश्यप, अदिति के,
वरुण से इनका जन्म हुआ।
रहे ध्यानरत बाँबी बन गयी,
वाल्मीकि तब नाम हुआ। ।

एक दिवस तमसा सरि तट पर,
व्याघ्र ने पक्षी इक मारा।
करुण दृश्य लख इनके मुख से,
निकला छन्द अनुष्टुप का।।

संस्कृत का श्लोक बना,
आधार आगे रामायण का।
सिय ने अंतिम वनवास समय,
व्यतीत किया, क्षण जो दु:ख का।।

वाल्मीकि के आश्रम पर,
लव-कुश का जन्म हुआ सुन लो,
इनकी शिक्षा वाल्मीकि की,
देखरेख में हुई गुन लो।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 2678

दिनांक 17.11.2025

दिन सोमवार

पाठ- 11

भाग- 02

कक्षा- 04 विषय- पर्यावरण

जल संरक्षण

जल है जीवन का आधार,
जल को पीने योग्य बनाएँ।
अपशिष्ट पदार्थ न डालें जल में,
जल को साफ, स्वच्छ बनाएँ।।

नदी और तालाबों और झीलों मे,
कूड़ा-करकट न डालें।
रासायनिक खादों का प्रयोग,
बिल्कुल न करे, खुद को सम्भाले।।

कुँआ, तालाब पर जाकर,
जानवरों को न नहलाएँ।
कोई फैलाए जो वहाँ गन्दगी,
उसको तुरन्त समझाएँ।।

प्रदूषित जल स्वास्थ्य के लिए,
अत्यन्त हानिकारक होता है।
टाइफाइड, हैजा और पेचिश,
का कारण प्रदूषित जल होता है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 18.11.2025

काव्यांजलि
2679

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07, विषय- विज्ञान, पाठ- 11

पौधों में जनन

अपना वंश चलाने के लिए,
जीव जनन क्रिया करते हैं।
जनन क्रिया के माध्यम से,
नया जीव उत्पन्न करते हैं।।

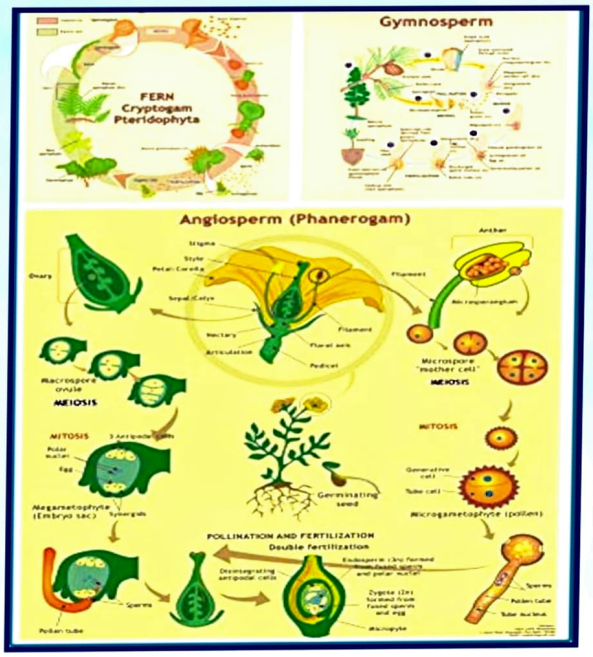

पौधों की जनन प्रक्रिया को,
आओ मिलकर जानते हैं।
अलैंगिक जनन, लैंगिक जनन,
इसे दो पभागों में बाँटते हैं।।

जड़, तना, पत्तियों से उत्पत्ति,
अलैंगिक जनन कहलाता है।
आलू, गन्ना, अदरक, लहसुन,
अलैंगिक जनन से उगाया जाता है।।

लैंगिक जनन की क्रिया में,
नर-मादा की होती भागीदारी।
पौधों में जनन क्रिया से होती,
नये-नये पौधों की तैयारी।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2680

दिनांक 19 नवम्बर 2025

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

हमारा भूमण्डल पाठ- 11 कक्षा- 7

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (टैगा प्रदेश- मानव जीवन)

विषम जलवायु होने के कारण,
बहुत कम है जनसंख्या यहाँ।
भीतरी भागो में हैं जनजातियाँ,
लकड़ी कटाई का काम होता यहाँ।।

खानों से खनीज निकालते हैं,
मशीन से की जाती है कटाई।
खम्भे, फर्नीचर, लुग्दी, कागज़,
और बनाते हैं दियासलाई।।

उत्तरी-पूर्वी भाग है उन्नतशील,
अखबारी कागज़-लुग्दी बनाया जाता है।
रॉल, तारपीन का तेल, बाल रस,
सुगन्धित पदार्थ-प्लाईवुड बनाया जाता है।।

कुछ मूल निवासी मछली पकड़ कर,
अपना जीवन निर्वाह करते हैं।
श्वेत लोमड़ी, मिन्क, रेंडियर का,
समूर के लिये पालन करते हैं।।

रचना:-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

9458278429

बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 2681

दिनांक 20-11-2025

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- विज्ञान

इकाई- 8, जन्तुओं की संरचना व कार्य

मानव के पाचन अंग

अघुलनशील भोज्य पदार्थों का सरल ,
घुलनशील अवस्था में बदलने की क्रिया।
कहलाती है पाचन प्रक्रिया और निम्न,
अंगों द्वारा सम्पन्न होती है यह क्रिया।।

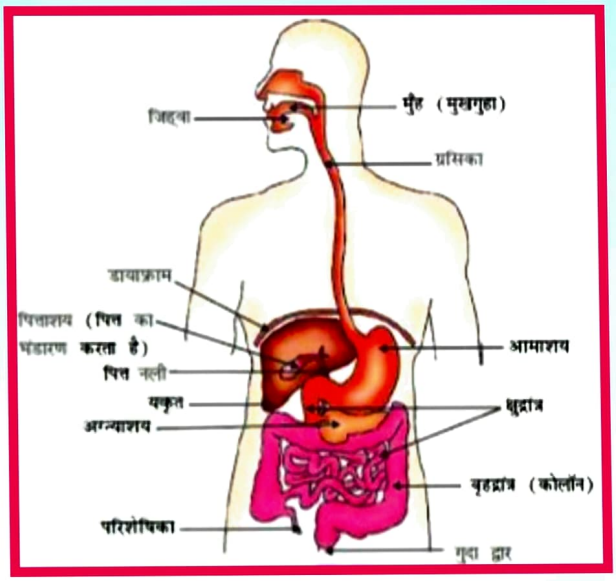

मुखगुहा, ग्रासनली, आमाशय,
छोटी आंत, बड़ी आंत पाचन अंग।
यकृत, अग्नाशय दो पाचन ग्रंथियाँ,
ये सब मिलकर बनाते पाचन तंत्र।।

मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि,
यकृत पित्त रस का निर्माण करती।
और गुलाबी पाचन ग्रंथि अग्नाशय,
अग्नाशयी रस का स्राव करती।।

पाचक रस रासायनिक क्रिया द्वारा प्रोटीन
मंड, वसा को सरल, घुलनशील बनाते हैं।
ये सरल पदार्थ आहार नाल में,
रसांकुर द्वारा अवशोषित हो जाते हैं।।

रचना:-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 21नवम्बर 2025

काव्यांजलि

2682

दिन शुक्रवार

पाठ- 1

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2 विषय- अंग्रेजी

Fun With Friends

Words (Part- 2)

Well है कूँआ,
Tell है कहना,
Fell है गिराना,
Fall झड़ना या गिर जाना।।

Tap है टोंटी,
Cap है टोपी।
Lap है गोदी,
Gap दरार होती।।

Map है नक्शा,
Mat चटाई।
Log है लठ्ठा,
Fog धुंध छायी।।

Pat पोशाक,
Put है रखना।
Fat है मोटा,
Slim पतला दिखना।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2683
दिनांक 22.11.2025
दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7 विषय- गृहशिल्प पाठ- 02 भाग- 01

जल की स्वच्छता

जल ही जीवन होता है,
शरीर में 70% जल ही होता है।
जल से ही करते हम सारा काम,
नहाने, धोने और पीने में आये काम।।

हर दिन पानी पीते है,
दो से तीन लीटर ले लेते हैं।
हर जगह से पानी मिल जाता है।
नदी, नहर, तालाब, कुओं से भी आता है।।

जल दूषित हो जाता है,
नदी, तालाब में जब कोई नहाता है।
जब कूड़ा-कचरा पानी में फेंके,
नाली का पानी नदियों में झोंके।।

प्रदूषित जल से होती है कई बीमारी,
दस्त, पेचिश, टायफायड हैजा जैसी महामारी।
स्वच्छ जल का ही हम करें उपयोग,
शरीर को स्वस्थ बनाने में करें सहयोग।।

रचना:-

सुमन मौर्या
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 24 नवम्बर 2025

काव्यांजलि

2684

दिन सोमवार

पाठ-03

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-08, विषय- इतिहास (हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

अंग्रेज-सिक्ख द्वितीय युद्ध

जब अंग्रेजों ने सिक्खों के,
दुर्ग पर अधिकार किया।
सिक्ख हुए लाचार दुर्ग,
पाने को स्वप्रयास किया।।

अठारह सौ अड़तालीस में,
द्वितीय सिक्ख युद्ध हुआ।
अंग्रेजों और सिक्खों मध्य,
निर्णायक यह युद्ध हुआ।।

सिक्ख सेना हुई पराजित,
अंग्रेजों ने जीता युद्ध।
रहे देखते सब के सब,
राज्यों के राजा और प्रबुद्ध।।

अंग्रेजों ने पंजाब पर,
पूर्णरूप अधिकार किया।
साम्राज्य स्थापित करने,
का सपना साकार किया।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 25.11.2025

काव्यांजलि

2685

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-2, विषय- आनन्दमय गणित, पाठ- 2

आकृतियाँ ही आकृतियाँ

गणित की आकृतियाँ जानें,
चलो उनको हम पहचाने।
ठोस आकर जो गोला,
लड्डू, मटका, गेंद को मानें।।

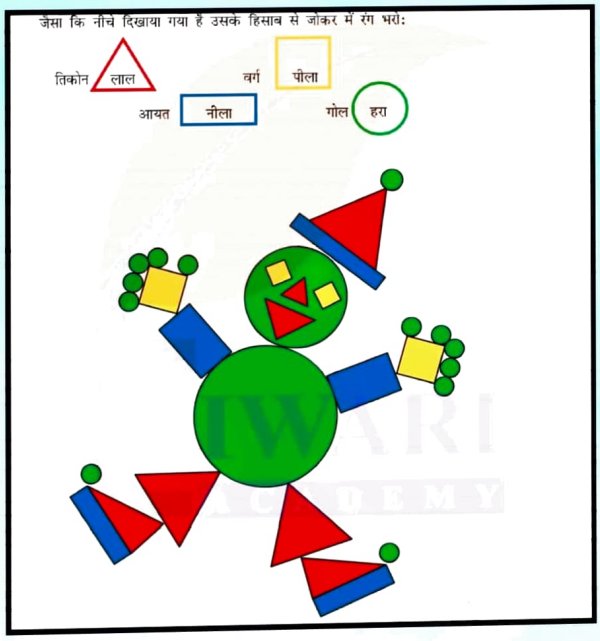

खम्बा, ड्रम, बोतल हैं बेलन,
छहों समान जो सतहें, घन।
लूडो की डाइस और डिब्बा,
बारह किनारे, हैं आठ कोन।।

शंकु है जोकर की टोपी,
गाजर, मूली, आइस्क्रीम, घंटी।
खातें भेलपुरी तुम जिसमें,
शहनाई शादी में बजती।।

डिब्बे, हारमोनियम, अलमारी,
आयी अब घनाभ की बारी।
आठ कोने हैं छः सतहें,
बस, बॉक्स, कमरे और लॉरी।।

रचन- पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

9458278429
बेसिक शिक्षा का मान बढाये

काव्यांजलि

2686

दिनांक 26-11-2025

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- अक्षरा, पाठ- 14

लोकगीत (भाग- 1)

लोकगीत एक परिचय

लोच, ताजगी, जगप्रसिद्ध में,
शास्त्रीय और देशी संगीत।
हैं इन सबसे भिन्न लोकगीत,
हैं ये जन-मानस के गीत।।

घर, गाँवों और नगरों की,
जनता के ये हैं सुन्दर गीत।
इनके लिए साधना वर्जित,
ये गाते त्योहारों पर गीत।।

इनके रचनाकार गाँव के,
अनपढ़ और अशिक्षित लोग।
ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी,
संग गातीं रच औरत गीत।।

लोकगीतों और लोकगीतों के,
संग्रह बहुत प्रकाशित हैं।
विविध प्रान्त की सरकारों का,
इसमें हाथ बँटा नित है।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 27-11-2025

काव्यांजलि

2687

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7 विषय- विज्ञान

इकाई- 9, जन्तुओं एवं पौधों में परिवहन

मानव परिसंचरण तन्त्र व प्रक्रिया

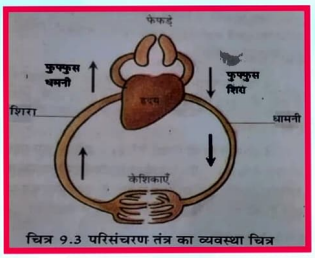

चित्र 9.3 परिसंचरण तंत्र का व्यवस्था चित्र

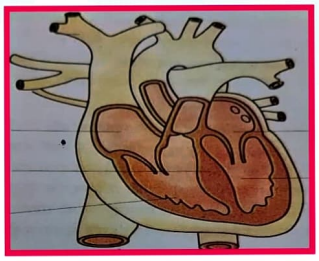

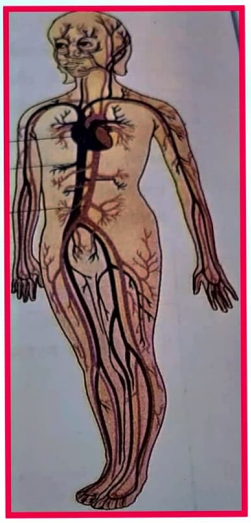

हृदय, रुधिर वाहिनियाँ और रुधिर,
ये मिलकर परिसंचरण तन्त्र बनाते।
हृदय पम्प की तरह कार्य करे,
चार कक्ष, दो अलिन्द, दो निलय होते।।

शरीर के सभी अंगों से CO2 युक्त रक्त,
शिराओं द्वारा दायें अलिन्द में आता।
दायें अलिन्द से दायाँ निलय फिर,
फुफ्फुस धमनी से फेफड़ों में जाता।।

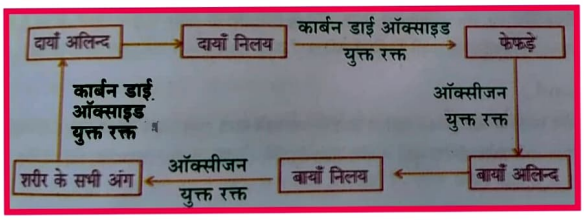

कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन,
का आदान-प्रदान फेफड़ों में होता।
फुफ्फुस शिरा से बायें अलिन्द में,
ऑक्सीजन युक्त रुधिर पहुँचता।।

बायें अलिन्द से बायें निलय में फिर,
धमनियों से शरीर के विभिन्न भागों में।
दर्शाया गया है मानव परिसंचरण तन्त्र,
और इसकी प्रक्रिया चित्र फ्लो चार्ट में।

रचना:-

सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2688
दिनांक 28/11/2025
दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1 पाठ-2 विषय- हिन्दी व्याकरण

मौखिक और लिखित भाषा

जिस भाषा को मुँह से बोले,
और कानों से सुनते हैं।
भाषा के उस रूप को हम,
मौखिक भाषा कहते हैं।।

फोन पर जैसे बातें करना,
रेडियो पर गाना सुनना।
नेता जी का भाषण हो,
या हो जनता का फिर सुनना।।

लिखकर बात को समझाना,
पढ़कर के फिर उसे समझना।
भाषा का यह लिखित रूप है,
लिखना हो या हो फिर पढ़ना।।

श्यामपट्ट पर लिखे शिक्षिका,
समझ रहे हैं बच्चे पढ़कर।
पढ़कर ही अखबार को समझें,
प्रश्न पत्र भी हो लिखकर।।

रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2689

दिनांक 29/11/2025

दिन Saturday

आपका दिन शुभ हो।

Class 2 Unit 2, Chapter 2

Seeing without seeing

Part II

Ava in hand, holding a rose,
Said Onshangla to disclose.
By Touching & smelling,
She replied a rose, smiling.

Good! said Ava, try now another,
What I held, asked the mother.
Trin! trin! trin! Goes the bell,
She replied, Its a musical bell.

Then Ava took a glass in hand,
touching it, a glass she said,
A glass of water or with juice,
Tasted it, she said orange juice.

Removing the scarf, what in front,
Its you Ava, in my front.
There are other ways to find out,
Hope you all will help him, no doubt.

Written by:

Supriya Singh (A.T.)
C. S. Baniyamau
Machhrehta, Sitapur